NEWS CLIPPING:28.09.2023

THE IMPRESSIVE TIMES

JC Bose University strengthened its Research and Library Services with Cutting-Edge Technology

Nidhi Priya
info@impressivetimes.com

FARIDABAD: J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, took a significant step towards strengthening its research and library services by introducing a web-based Research Information System IRINS (Indian Research Information Network System) and implementing a Radio Frequency Identification (RFID) System for book inventory control and library management. These transformative facilities were unveiled in an event organized by the Pt. Deen Dayal Upadhyay Central Library of the University and R & D section of the University under the Aegis of Internal Quality Assurance Cell of the University. The program was graced by Prof. Sushil Kumar Tomar, Vice-Chancellor of the University and Dr. Sanjeev Sharma, Registrar of Kurukshetra University. Chairman Library Prof. Vikas Turk, Dr. Maneesha Garg, Director (R&D) and Deputy Librarian Dr. P.N. Bajpai were present on this occasion. The introduction of the IRINS platform, developed in collaboration with the Information and Library Network (INFLIBNET), represents a pioneering step in advancing the University's research capabilities. This cutting-edge system will facilitate the faculty members to showcase their research contribution to the peer group, expose their research contributions to the national and international community and may bring funding opportunities from national and international agencies. It can provide immense support to the research scholars to find mentors and advisors for their research in the respective domain. This portal can showcase the research contributions at the University level, department level and individual faculty level. This may be immensely useful to the IQAC and R&D section to provide various data for NAAC and NIRF. Speaking on this occasion, Vice-Chancellor Prof. Tomar said that in today's digital age, it is crucial for academic institutions to harness technology for the benefit of their students and faculty. The introduction of IRINS and the RFID System represents a significant stride towards enhancing the research and library Services the University offers.

NEWS CLIPPING:28.09.2023

HADOTI ADHIKAR

कैशलेस स्वास्थ्य सेवाओं के लिए

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय और मेट्रो अस्पताल के बीच समझौता

हाड़ौती अधिकार

फरीदाबाद, 27 सितम्बर। कर्मचारियों और छात्रों को बेहतर स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने मेट्रो हार्ट इंस्टीट्यूट, फरीदाबाद के साथ समझौता किया है। इस समझौते के अंतर्गत विश्वविद्यालय के पात्र नियमित कर्मचारियों और उनके आश्रितों को कैशलेस इन-पेशेंट (आईपीडी) उपचार एवं स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं देने तथा विद्यार्थियों एवं अनुबंधित कर्मचारियों को रियायती दरों पर स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं देने का प्रावधान किया गया हैं।

समझौते के उपरांत अब विश्वविद्यालय के पात्र नियमित कर्मचारी मैट्रो अस्पताल में आकस्मिक वित्तीय चिंताओं के बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, कर्मचारियों को ओपीडी सेवाओं का लाभ हरियाणा सरकार की प्रतिपूर्ति नीति के अनुरूप रियायती दरों पर उपलब्ध होंगा। सरकार की प्रतिपूर्ति नीति के तहत कवर न होने वाले अनुबंधित कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ रियायती दरों पर मिलेंगा।

समझौते पर विश्वविद्यालय की ओर से जे.सी. बोस विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. मेहा शर्मा और मेट्रो हार्ट इंस्टीट्यूट की ओर से उप महाप्रबंधक (सेल्स एवं मार्केटिंग) बिक्रम सिंह चौहान ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस दौरान विश्वविद्यालय में निदेशक (आरएंडडी) डॉ. मनीषा गर्ग, चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंकुर शर्मा और सहभागिता एवं उद्योग संपर्क मामलों की प्रभारी डॉ. रश्मी पोपली भी उपस्थित थीं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि कर्मचारियों और विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। मेट्रो इंस्टीट्यूट के साथ समझौता न केवल उन्हें सुविधाजनक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का विकल्प प्रदान करेगा बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि जरूरत पड़ने पर उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त हो।

NEWS CLIPPING:28.09.2023

PUNJAB KESARI

कैशलेस स्वास्थ्य सेवाओं के लिए हुआ समझौता

कुलपति प्रो. एस.के. तोमर की उपस्थिति में समझौते का आदान-प्रदान करते हुए कुलसचिव डॉ. मेहा शर्मा और मेट्रो इंस्टीट्यूट में उप महाप्रबंधक (सेल्स एवं मार्केटिंग) बिक्रम सिंह चौहान एवं अन्य।

फरीदाबाद, 27 सितम्बर (ब्यूरो): कर्मचारियों और छात्रों को बेहतर स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने मेट्रो हार्ट इंस्टीट्यूट, फरीदाबाद के साथ समझौता किया हैं। इस समझौते के अंतर्गत विश्वविद्यालय के पात्र नियमित कर्मचारियों और उनके आश्रितों को कैशलेस इन-पेशेंट (आईपीडी) उपचार एवं स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं देने तथा विद्यार्थियों एवं अनुबंधित कर्मचारियों को रियायती दरों पर स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं देने का प्रावधान किया गया हैं।

समझौते के उपरांत अब विश्वविद्यालय के पात्र नियमित कर्मचारी मैट्रो अस्पताल में आकस्मिक वित्तीय चिंताओं के बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, कर्मचारियों को ओपीडी सेवाओं का लाभ हरियाणा सरकार की प्रतिपूर्ति नीति के अनुरूप रियायती दरों पर उपलब्ध होगा। समझौते पर विश्वविद्यालय की ओर से जे.सी. बोस विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. मेहा शर्मा और मेट्रो हार्ट इंस्टीट्यूट की ओर से उप महाप्रबंधक (सेल्स एवं मार्केटिंग) बिक्रम सिंह चौहान ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस दौरान विश्वविद्यालय में निदेशक (आरएंडडी) डॉ. मनीषा गर्ग, चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंकुर शर्मा और सहभागिता एवं उद्योग संपर्क मामलों की प्रभारी डॉ. रश्मी पोपली भी उपस्थित थीं।

NEWS CLIPPING:28.09.2023

HINDUSTAN

विश्वविद्यालय के छात्रों को स्वास्थ्य सेवाओं में छूट

- छात्रों-कर्मियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलेगी
- जेसी बोस और मेट्रो अस्पताल के बीच एमओयू

फरीदाबाद, संवाददाता। जेसी बोस विश्वविद्यालय ने मेट्रो हार्ट इंस्टीट्यूट के साथ समझौता किया है। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के पात्र नियमित कर्मचारियों और उनके आश्रितों को कैशलेस इन-पेशेंट (आईपीडी) उपचार एवं स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं देने तथा विद्यार्थियों एवं अनुबंधित कर्मचारियों को रियायती दरों पर स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं देने का प्रावधान किया गया हैं।

समझौते के उपरांत अब विश्वविद्यालय के पात्र नियमित कर्मचारी मेट्रो अस्पताल में आकस्मिक वित्तीय चिंताओं के बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्राप्त कर सकेंगे। इसके अलावा, कर्मचारियों को ओपीडी सेवाओं का लाभ हरियाणा सरकार की प्रतिपूर्ति नीति के अनुरूप रियायती दरों पर उपलब्ध होंगा। सरकार की प्रतिपूर्ति नीति के तहत कवर न होने वाले अनुबंधित कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ रियायती दरों पर मिलेगा। समझौते पर कुलसचिव डॉ. मेहा शर्मा और अस्पताल के उप महाप्रबंधक बिक्रम सिंह चौहान ने हस्ताक्षर किए।